2

नैतिकता और मूल्य

स्कूल टीम अपनी शारीरिक फिटनेस की कमी के कारण नियमित रूप से अपनी क्षमताओं के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर रही थी। टीम के खिलाड़ियों ने प्रदर्शन क्षमता बढ़ाने की दवाओं के बारे में सुना था और कोच के परामर्श के बिना हानिकारक दवाईयों को लेना शुरू कर दिया था। दवाईयों के सेवन से उनके शारीरिक गठन में परिवर्तन आया और स्वस्थता बढ़ी, लेकिन समय के साथ उनकी चोट की दर भी बढ़ गई। उनको विभिन्न स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ा जो उनके नियमित प्रशिक्षण के लिए एक समस्या बन गयी। कोच ने जांच प्रक्रिया आरम्भ की और पाया कि एथलीटों द्वारा एनाबोलिक (अपचय) स्टेरॉयड का उपयोग किया जा रहा था। कोच ने, खिलाड़ी– कार्यशाला के दौरान एथलीटों के साथ बात की और इन मुद्दों और समस्याओं का निवारण किया।

कोच ने समस्याओं एवं चिंताओं के निवारण के लिए क्या उपाय किए? क्या यह नैतिकता और मूल्यों का मुद्दा था या यह खेल भावना से संबंधित है? आइए इस अध्याय को पढ़ें और नैतिकता, मूल्यों और खेल भावना के बारे में समझें–

सामान्य रूप में नैतिक सिद्धांतों को नीति के रूप में जाना जाता है. 'मोरल' का अर्थ होता

शारीरिक शिक्षा और योग की अवधारणा

टिप्पणी

है, कार्य में अच्छाई/बुराई अथवा सही एवं गलत। जबकि, मूल्य, व्यक्तिगत मानक है जो एक व्यक्ति के लिए मूल्यवान और महत्त्वपूर्ण है।

मूल्य क्या हैं?

- कुछ, जो वांछनीय, सार्थक, और महत्त्वपूर्ण है ।
- परिवार, दोस्तों, शिक्षकों, कोच, टेलीविजन और फिल्मों से प्रभावित हैं।
- प्रत्येक व्यक्ति के अलग अलग मूल्य होते हैं जो उसे दैनिक निर्णयों में उसका मार्गदर्शन करते हैं।

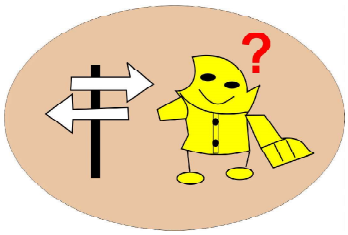

नैतिक शिक्षा, बच्चों के शिक्षा के अधिकार के तहत् , बच्चों और युवाओं के लिए मूल्यों और नैतिकता को बढ़ावा देती है। नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी स्कूलों में शिक्षकों और परिवार में माता–पिता की है।

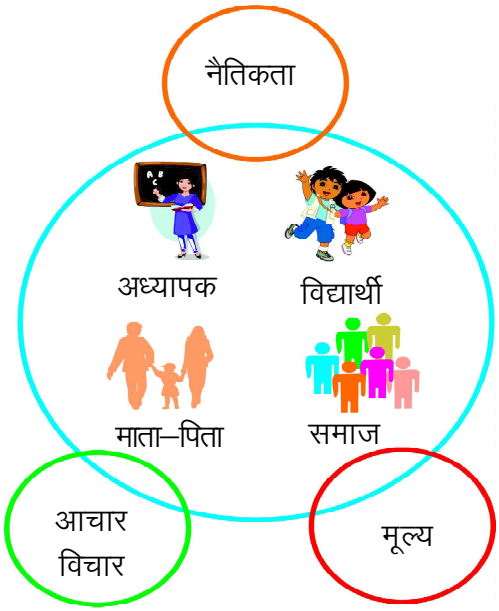

खेल शिक्षा, नैतिक मूल्यों के विकास का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। नैतिक शिक्षा बच्चे को प्राप्त शिक्षा के अधिकार के फ्रेमवर्क के अन्तर्गत बच्चों एवं युवाओं के लिए नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देती है। विद्यालय में नैतिक मूल्यों को सिखाने की जिम्मेदारी अध्यापकों की है तथा नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का उत्तरदायित्व माता–पिता का है।

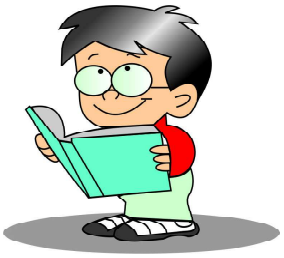

उद्देश्य

इस पाठ का अध्ययन करने के बाद आप :

- खेल कौशल का अर्थ समझ सकेंगे;
- खेल में नैतिकता पर प्रकाश डाल सकेंगे;
- ओलंपिक मूल्यों की व्याख्या कर सकेंगे और
- योग और खेल के माध्यम से सामाजिक और व्यक्तिगत नैतिकता सीख सकेंगे।

2.1 खेल–भावना की अवधारणा

खेल–भावना, खेल की एक अवधारणा है जिसमें हम निष्पक्षता, नैतिकता, सम्मान, आत्म नियंत्रण, साहस और प्रतिद्वंदी के साथ साहचर्य की भावना के द्वारा शारीरिक गतिविधि या खेल से आनंदित होने पर केन्द्रित है। एक 'हारा हुआ खिलाड़ी' जो अच्छी तरह से हार स्वीकार नहीं करता है जबकि एक 'अच्छे खेल' का अर्थ है एक "अच्छा विजेता"।

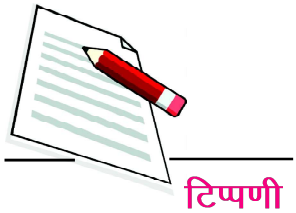

टिप्पणी

खेल– भावना, खेल के लिए एक नैतिक दृष्टिकोण है। स्वस्थ् प्रतियोगिता चरित्र, गुणवत्ता, और व्यक्तिगत सम्मान को बढ़ाती है. यह समाज में और प्रतियोगियों के बीच विश्वास और सम्मान विकसित करने में मदद करती है। खेल भावना का लक्ष्य सिर्फ जीतने के लिए नहीं है बल्कि बेहतरीन प्रयास करने के लिए और खेल के परिणाम का सम्मान करने के लिए है। खेल भावना की अवधारणा खेल के माध्यम से हमारे चरित्र के विकास में मदद करता है.

''खेल भावना'' एक ऐसा व्यवहार है जिससे खेल और अन्य खिलाड़ियों के प्रति नियमों के लिए सम्मान दिखता है ।टीमों को उनकी खेल भावना और निष्पक्ष खेलने के लिए प्रशंसा की जाती हैं। जब खेलों को नैतिकता, सम्मान, निष्पक्षता और प्रतियोगियों के साथ साहचर्य/फैलोशिप की भावना के उचित व्यवहार और खिलाड़ी–भाव के साथ खेला जाता है तो यह खेल भावना का उदाहरण बन जाता है ।

उदाहरणः **हाथ मिलाना** : मैच के बाद प्रतिद्वंदी के साथ हाथ मिलाना अच्छी खेल भावना का प्रतीक माना जाता है। माना कि, दो टीमें हैं जो एक फुटबॉल मैच खेलने जा रही हैं।मैच शुरू होने से पहले वे एक दूसरे के साथ और रेफरी के साथ भी हाथ मिलाते हैं। एक बार मैच खत्म हो जाता है वे इसी क्रिया को दोहराते हैं यानी कि हाथ मिलाना, एक दूसरे को सम्मान देते हैं, इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन टीम खेल जीत रही है. इसे ही सच्ची खेल भावना कहा जाता है।

पाठगत प्रश्न 2.1

वाक्य को सार्थक बनाने के लिए रिक्त स्थान भरें.

क) व्यवहार एवं प्रवृत्ति जो खेल के नियमों तथा अन्य खिलाड़ियों के प्रति सम्मान दिखती है ..... कहलाता है।

ख) खेल और गतिविधियों का ..... और ..... के साथ ठीक से आनंद लिया जा सकता है।

ग) ..... मैच के बाद विरोधियों के साथ अच्छी खेल भावना के प्रतीक के रूप में माना जाता है।

2.2 खेल में नैतिकता

नैतिकता सिद्धांत है, आचार–विचार और मूल्यों के आधार या नींव है जिनकों प्रत्येक व्यक्ति के चरित्र के रूप में देखा जा सकता है नैतिकता इस प्रकार व्यवहार और जीवन जीने के

टिप्पणी

तरीके हैं जिसके माध्यम से व्यक्ति अच्छाई के मूल्य का एहसास करता है । नैतिकता का मुख्य उद्देश्य सभी की दिल से देखभाल, और अपनी ओर से सबसे अच्छा कार्य करने की कोशिश है. खेलों में चार प्रमुख नैतिक मूल्य हैं: सम्मान, जिम्मेदारी, ईमानदारी, और निष्पक्षता।

निष्पक्षता

खिलाड़ी और कोच को उनके विशिष्ट खेल के नियमों और विधि का पालन करना चाहिए. नियमों को रेफरी द्वारा दोनों टीमों के लिए समान रूप से लागू किया जाना चाहिएय व्यक्तिगत हित या पूर्वाग्रह परिणामों में नहीं देखा जाना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को लैंगिक अभिविन्यास, लिंग या जाति के आधार पर निकाला नहीं जा सकता है। खेल की पवित्रता का उल्लंघन वहीं हो जाता है जब खिलाड़ी या कोच अपने प्रतिद्वंद्वी पर अनुचित लाभ का उपयोग करें ।

ईमानदारी

प्रतिद्वंदी द्वारा किसी भी साधन और तरीकों का पालन करना जो खेल या खेल– भावना की समेकता के खिलाफ हैं उस खिलाड़ी में ईमानदारी की कमी को प्रदर्शित करता है। इसे हम फुटबॉल के एक उदाहरण से स्पष्ट देख सकते है। जब भी एक खिलाड़ी खेल के दौरान बेईमानी या नकली चोट दिखाता है तब वह खिलाड़ी खेल की भावना को नहीं दिखा रहा है क्योंकि फुटबॉल में ऐसे कौशलों को डिजाइन नहीं किया गया है और यह भी पता चलता है कि ऐसी बातें अधिकारी को धोखा देने के लिए होती है। इस तरह की बातें अधिकारी की विश्वसनीयता को चोट पहुँचाती हैं।

उत्तरदायित्व

कोच और खिलाड़ियों को मैदान पर या मैदान के बाहर अपने कार्यों के लिए जिम्मेदारी लेनी चाहिए। खेल के दौरान खिलाड़ियों को कई बार हार का सामना करना पड़ता है और अधिकतर उनके पास अपने प्रदर्शन, फिटनेस आदि जैसे खेल के विभिन्न पहलुओं के बजाय खराब स्थानापन्न का बहाना होता है। उनकी जिम्मेदारी है कि वे खुद को खेल के सभी नियमों और विधि की अद्यतन जानकारी रखें। कोच और खिलाड़ी न केवल मैदान पर बल्कि मैदान के बाहर भी अपने आचरण के लिए जिम्मेदार होते हैं।

सम्मान

खिलाड़ियों और कोचों को अधिकारियों, प्रतिद्वंदियों और टीम के साथियों के प्रति सम्मान दिखाना चाहिए। अधिकारी के निर्णय को आसानी से स्वीकार करना सम्मान का एक और रूप है। माता –पिता, रिश्तेदारों और प्रशंसकों, अधिकारियों और अन्य टीमों के खिलाड़ियों के लिए सम्मान दिखाना चाहिए ।

टिप्पणी

खेल हमे समूह– कार्य करने के लिए अवसर प्रदान करते हैं, और साथ ही अच्छी तरह से लोगों को जानने का अवसर प्रदान करते हैं। कौशल निर्माण, नीति विकास, और नियमित व्यायाम के अवसर प्रदान करते हैं। खेल के माध्यम से बच्चों को सिखाना चाहिए कि कैसे जीतने पर और हारने पर बिना निराश हुए शालीनता से संयम रखना चाहिए।

उदाहरण के लिए एक लड़की फुटबॉल खेलती है तब वह अपनी फुटबॉल टीम में शामिल खिलाडियों से सीखती है कि खेलने के दौरान कैसे सकारात्मक रहा जा सकता है, जब चीजे सही नहीं हो रही हों और वे चीजे उसे सहन नहीं हो रहीं थीं । उसने वयस्कों को अपने लाभ के लिए नियमों का जोड़–तोड़ करते हुए भी देखा।

वह फुटबॉल से प्यार करती थी उसने इसका अध्ययन किया, और इसके बारे में लिखा था। वह खेल को जीवन की तरह देखती थी। वहाँ अन्याय और उन घटनाओं को खिलाड़ी नियंत्रित नहीं कर सकता.वह अपने दृष्टिकोण और प्रयास पर क्या नियंत्रण कर सकती है उस पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया। उसने खेल के माध्यम से ही जाना कि जीवन जीने की कला, खेल से मिला उपहार है। हम नैतिकता और मूल्यों को .खेल से हदयंगम कर सकते हैं।

नैतिकता

- 'नीति' शब्द ''नैतिक सिद्धांत है जो एक व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित'' या परिभाषित करता है।
- नैतिकता मानव व्यवहार का मानदण्ड है ।
- मनुष्य का आचरण या तो भावनाओं से प्रभावित होता है या उन कार्यो से, जब लोग अलग–अलग परिस्थितियों में करते हैं ।
- कार्यो और भावनाओं का समन्वय नैतिकता उत्पन्न करता है।

पाठगत प्रश्न 2.2

क) नैतिकता के मुख्य उद्देश्य क्या है?

.....

.....

.....

.....

टिप्पणी

ख) नैतिक होना क्या प्रदर्शित करता है?

.....

.....

.....

.....

2.2.1 खेल में मूल्य के घटक

- निष्पक्ष व्यवहार
- दूसरों के लिए सम्मान
- उत्कृष्टता का लक्ष्य
- मन और मस्तिष्क का समन्वय
- सम्मान
- स्वास्थ्य
- खेल में प्रदर्शन
- समान अवसर
- प्रयास की खुशी
- यह नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देता है।
- यह दूसरों के लिए सम्मान और सकारात्मक आत्म छवि के विकास को बढ़ावा देता है।
- यह समुदाय को मजबूत बनाता है।
- यह समाजीकरण को बढ़ावा देता है, नई दोस्ती और उसको मजबूत बनाने ,स्वस्थ जीवन शैली को मजबूत बनाने और समुदाय की भागीदारी और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देता है।

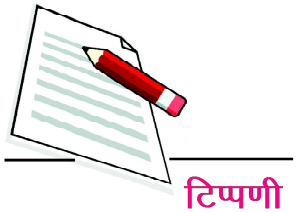

टिप्पणी

- यह हिंसा, डोपिंग, धोखाधड़ी और किसी भी कीमत पर जीत हासिल करने को बढ़ावा दे सकते हैं।

^^'kkjhfjd xfrfof/k;k¡ vkSj [ksy] uSfrdrk vkSj ewY;ksa ds fuekZ.k esa izeq[k lk>snkj ds :i esa**

→ छात्रों में निम्नलिखित मूल्यों का प्रतिनिधित्व करने और उन्हें व्यक्त करने की आवश्यकता है।

→ सहनशीलता

→ लचीलापन

→ समझ

→ अनुशासन

→ मनोरंजन

→ समानता

→ सम्मान

- → खेल को शिक्षा प्रणाली के रूप में समझना
- → खेल भावना को जज्ब करना
- → किसी भी कारण से किसी के खिलाफ भेद–भाव न करें।
- → नियमों, दूसरों और स्वयं के प्रति आदर का भाव रखें।
- → व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास को प्रोत्साहित करें
- → परिणामों के बारे में चिंतित न हों, यह भी व्यक्तिगत और सामूहिक विकास में शामिल है।

2.3 ओलंपिक मूल्य

ओलंपिक के तीन मूलभूत मूल्य हैं जो ओलंपिक खेलों और युवा ओलंपिक खेलों पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं वे है उत्कृष्टता, सम्मान और मित्रता। पांच शैक्षिक विषय भी ओलंपवाद के मौलिक सिद्धांतों पर आधारित हैं जो सीखने के लिए तीन बुनियादी दृष्टिकोण पर आधारित हैं: बौद्धिक, सामाजिक/भावनात्मक और शारीरिक। ओलंपवाद के पांच शैक्षिक विषय हैं : सीखने के प्रयास की खुशी,निष्पक्ष खेल सीखने, दूसरों के लिए

सम्मान सीखने, उत्कृष्टता का लक्ष्य, बिना भेदभाव के खेलना, शरीर, इच्छा शक्ति और मन के बीच जीवन में संतुलन सीखना ।

2.3.1 ओलंपिक मूल्य का अर्थ है मैत्री, सम्मान और उत्कृष्टता

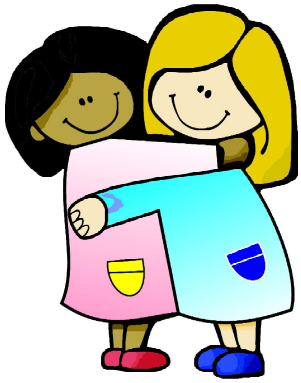

मित्रता

ओलंपिक गतिविधियों में मित्रता की जड़ें बहुत गहरी है। यह हमें स्वयं के और दुनिया भर के लोगों के बीच के आपसी सहयोग को समझने के लिए एक साधन के रूप में खेल को देखने के लिए प्रोत्साहित करती है ।

सम्मान

इसमें स्वयं को, अन्य लोगों के लिए, नियमों और विधियों के लिए, खेल के लिए और पर्यावरण के लिए सम्मान की भावना शामिल है।

उत्कृष्टता

उत्कृष्टता का अर्थ होता है, खेल के मैदान पर या अपने कार्यक्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ करना। महत्त्वपूर्ण बात, जीत नहीं है, बल्कि शरीर, मन और इच्छा शक्ति के स्वस्थ गठजोड़ से आनंद लेते हुए खेलों में भाग लेना और प्रगति करना है ।

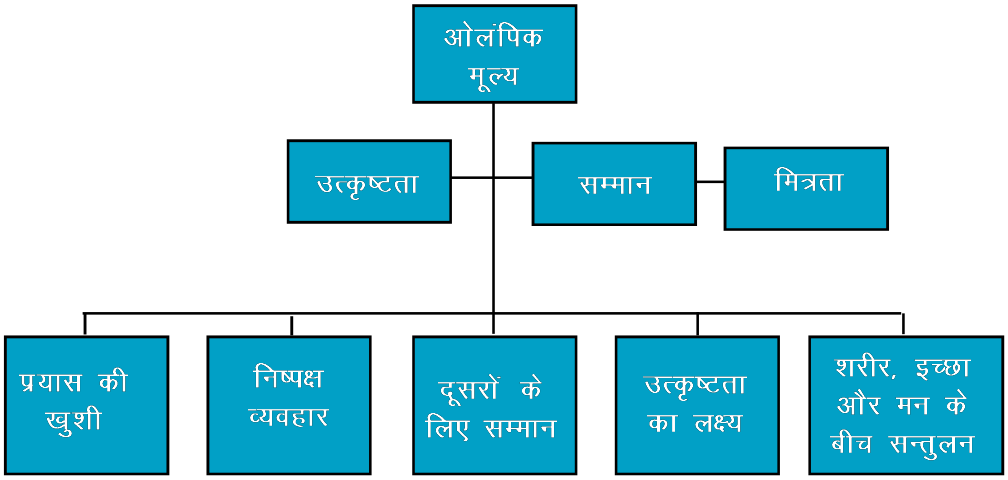

2.3.2 ओलंपिक की शैक्षिक विषय–वस्तु

प्रयास करने की खुशी

कम उम्र का व्यक्ति अपनी आयु वर्ग के दूसरे लोगों को गतिविधियों, क्रियाओं और खेलों में चुनौती देकर अपने शारीरिक, व्यवहारिक और बौद्धिक कौशल को विकसित एवं प्रदर्शित करता है। युवा अवस्था में व्यक्ति में बहुत अधिक ऊर्जा होती है, जैसे–जैसे वे बड़े होते जाते है उनकी ऊर्जा कम होने लगती है।

किसी व्यक्ति को उपयुक्त आयु में क्षमता और कौशल स्तर पर सापेक्ष परिणाम प्राप्त करने के लिए खेल या शारीरिक गतिविधियों को अपनाना चाहिए। दौड़ के आनंद का एक उदाहरण। IOC के अखबार में प्रकाशित हुआ था। केन्या के एक छोटे से गाँव का किपचोगे किनो नाम का एक लड़का था। उसका स्कूल उसके घर से चार किलोमीटर दूर था और आवागमन का कोई सार्वजनिक साधन उपलब्ध नहीं था। इसके विपरीत पाँच वर्ष की उम्र में किपचोगे कीनो चलकर या दौड़ कर स्कूल से घर तक की दूरी तय करता था। उसने दौड़ का आनंद लिया। वह दोपहर का खाना खाने घर आया करता था और फिर से शेष कक्षा के लिए वापस स्कूल जाता था। साथ–ही–साथ उसने एक अविश्वसनीय कलाबाजी प्रणाली विकसित की और शीघ्र ही उसने राष्ट्रीय खेलो में भाग लिया और अन्तरराष्ट्रीय खिलाड़ी बन गया। उसे केन्या पुलिस में एक फिटनेस प्रशिक्षक की नौकरी मिल गयी और वह कैडेट्स के लिए एक उदाहरण बन गया।

निष्पक्ष खेल

यह खेलों की एक अवधारणा है जो एक व्यक्ति जीवन के विभिन्न तरीकों में लागू कर सकता है। खेल खेलने के बाद व्यक्ति निष्पक्ष खेल का व्यवहार विकसित करता है जो समुदाय और जीवन के लिए जरूरी होता है। खेलों में, एक व्यक्ति नियमों के साथ खेलता है। रेफरी और

टिप्पणी

अधिकारी दंड के माध्यम से नियम लागू करते है। खेलों में ऐसे कई तरीके है जिनसे निष्पक्ष खेलने की अवधारणा का प्रदर्शन किया जा सकता है। जैसे खेल के अन्त में प्रतिद्वंदी से हाथ मिलाना, उसके असाधारण प्रदर्शन की सराहना करना इत्यादि।

दूसरों के प्रति सम्मान

इस बहुसांस्कृतिक संसार में रहने वाले हर व्यक्ति को विविधता को स्वीकार और उसका सम्मान करने का व्यवहार विकसित करना चाहिए। हमें यह विश्वास करना चाहिए कि सभी लोगों के पास योग्यता है। सभी लोगों में महिलाएं, बच्चे दिव्यांग इत्यादि शामिल है और उन्हें भी मानवाधिकार एवं सामुदायिक जिम्मेदारियाँ दी गयी है। टकराव को दूर करने का तरीका हिंसा नहीं है। खेल में एक टीम में अलग – अलग संस्कृतियों के लोग हो सकते है जिनका एक लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित होता है और वह लक्ष्य है टीम के लिए जीतना।

उत्कृष्टता का लक्ष्य

आज की दुनिया इतनी प्रतिस्पर्धी और माँग वाली है जिसमें व्यक्ति सबसे अच्छा बनने की कोशिश करता है। खेल सामाजिक, भौतिक वातावरण में सबसे अच्छा बनने या स्वस्थ बनने का अवसर प्रदान करता हैं। खेल सभी उम्र के बच्चों, लड़कियों और लड़कों, दिव्यांग बच्चों और श्रवण, दृष्टि एवं अन्य शारीरिक विकलांगता वाले बच्चों में सबसे अच्छा बनने के कौशल को विकसित करते हैं। खेल भेदभाव, उत्पीड़न और भय से मुक्त वातावरण बनाते हैं।

शरीर, मन और इच्छा शक्ति में संतुलन

यह अवधारणा न केवल मस्तिष्क बल्कि संपूर्ण शरीर के माध्यम से सीखने पर केन्द्रित है। शारीरिक शिक्षा, शरीर और मस्तिष्क के माध्यम से तो सीखी ही जाती हैं लेकिन इच्छाशक्ति के बिना नहीं। खेल शरीर, मन और इच्छाशक्ति में संतुलन का माध्यम हैं।

ओलंपिक मूल्य

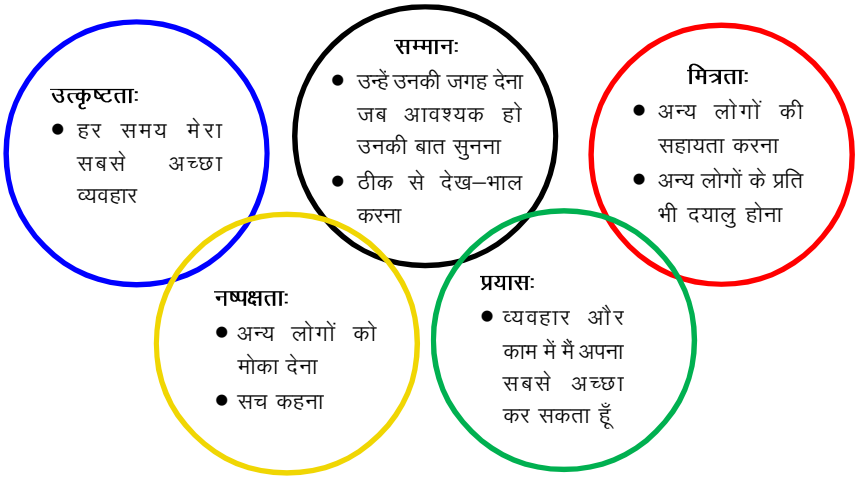

2.3.3 बच्चों/एथलीटों में ओलंपिक मूल्यों को शामिल करने के चार अलग–अलग तरीके

ओलिंपियन, जब देश का प्रतिनिधित्व करते है तब मूल मूल्यों से प्रेरणा प्राप्त करके प्रतिस्पर्धा के समय अपना सर्वश्रेष्ठ करने के लिए स्वयं को तैयार करते हैं, और जो कुछ भी होता है। उसकी शालीनता से प्रतिक्रिया देते हैं। हम अपने बच्चों को निम्नलिखित मूल्यों को सिखाकर, उनके विश्वास को विकसित करने में मदद कर सकते हैं ।

ओलंपियन की कठोर कार्यनीति को विकसित करने में सहायता करना

ओलंपियन को कठोर परिश्रम करने के लिए जाना जाता है – ओलंपियन, अपने खेल –अभ्यास के द्वारा उच्चतम संभव स्तर पर अपने कौशल का विकास करके देश का प्रतिनिधित्व करते हैं।

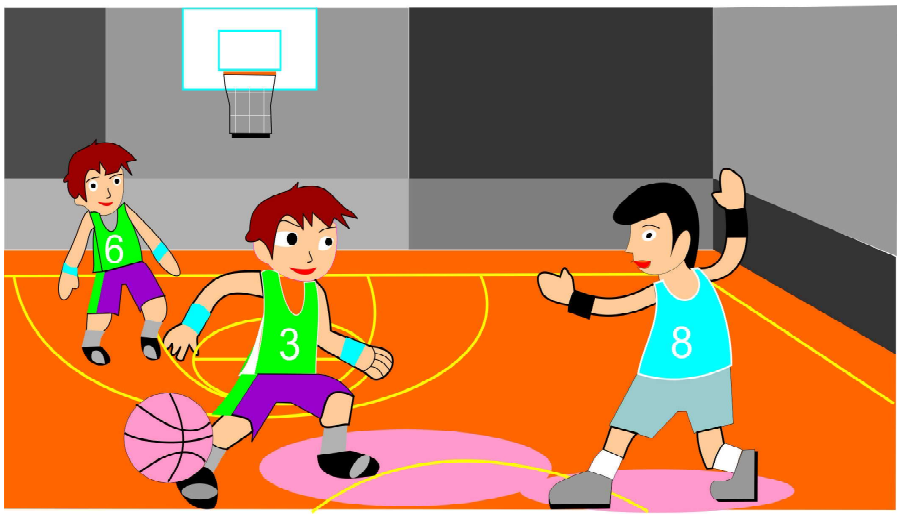

उदाहरणार्थ, सोची में अमेरिकी बोबस्लेड टीम के नेता स्टीवन होलकोम्ब, गंभीर बाधाओं (एक अपकर्षक नेत्र रोग तथा अवसाद) को दूर करने में उनकी सहायता करने के लिए कड़ी मेहनत के मूल्य को श्रेय देते है जिसके कारण वह अपने खेल में सफल हो सके। होलकोम्ब ने कहा है कि ओलिंपियनों को कड़ी मेहनत पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए कई बलिदान करने होंगे। आपको अपने काम से प्यार करना है और अपने हित और आत्मा को इसमें डुबोना है और केवल यही आपको अगले स्तर तक ले जाता है।

जैसे ही हम बच्चों से कठिन परिश्रम के मूल्य पर बात करते हैं। ''कठिन परिश्रम से लाभ मिलता है, लेकिन केवल बातें सिर्फ कमजोरी की ओर ले जाती है।'' अपितु ऐसा भी कहा जाता है, "मैं उसके द्वारा जो मुझे शक्ति देता है।" – ईश्वर– सब कुछ कर सकता हूँ। उन्हें सफलता और विफलता दोनों पर शालीनता से चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

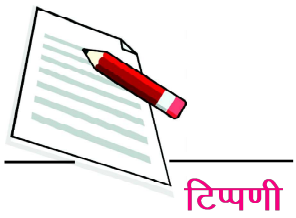

टिप्पणी

चाहे वे जीते या हारे, ओलिंपियन खिलाड़ी शालीनता से प्रतिक्रिया देते हैं जो दूसरे लोगों को प्रेरित करते हैं। इस बात पर विचार करें कि किसी एक घटना के परिणाम सबसे ज्यादा मायने रखते हैं, या इसमें प्रतिस्पर्धा करने वाले व्यक्ति का चरित्र।

उदाहर के लिए – भारतीय हॉकी खिलाड़ी संदीप सिंह ने सफलता के जवाब में बहुत खूब उदाहरण दिया जब उन्होंने राष्ट्रीय चैंपयनशिप में अपने खराब प्रदर्शन के बावजूद भी, भारत के लिए ओलंपिक टीम बनायी। अधिकारियों ने संदीप को उनकी गलतियों के कारण ओलंपिक से बाहर रखने के बजाय, अधिकांश स्पर्धा में उसकी टॉप ड्रैग फ्लिकर की प्रतिष्ठा के आधार पर एक जगह देने का फैसला किया। संदीप ने नम्रता एवं कृतज्ञता पूर्वक टीम के लिए उनकी सफलता पूर्वक विदाई का जवाब दिया। इस बात को ध्यान रखो। "अपने आपको भगवान के सामने नम्र बनाओ, वह तुम्हें गोद में ले लेगा। आप सही समय पर सही जगह पर रहो।"

उन्हें उत्कृष्टता सिखायें – अन्तरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति कहती है कि उत्कृष्टता मुख्य मूल्यों में से एक है जिसके चारों ओर ओलंपिक गतिविधियों का निर्माण होता है।ओलंपिक खिलाड़ी, प्रत्येक अभ्यास एवं प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का अभ्यास करते हैं। वे व्यक्तिगत रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ देने का लक्ष्य रखते हैं, उस वक्त चाहे वे कैसी भी परिस्थिति या प्रतियोगिताओं का सामना कर रहे हों।

"आप जो भी करें, उसे पूरे मन से करें, वैसे ईश्वर के लिए काम करते हो, साँसारिक स्वामी के लिए नहीं क्योंकि आप जानते हैं कि आपको ईश्वर से बदले में पुरस्कार मिलेगा। ये लार्ड क्राइस्ट हैं जिनकी आप सेवा कर रहे हैं।" ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होते हुये, अपने बच्चों को प्रत्येक परिस्थिति उनकी पूरी शक्ति तक पहुँचाने में उत्साहित करता हैं।

उन्हें मित्रता सिखायें – अन्तरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की मुख्य शिक्षाओं में एक अन्य मित्रता हैं। ओलंपिक खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा में संसार से सीखते हैं और इस प्रक्रिया में वे एक –दूसरे से मित्रता करते हैं। वे एक–दूसरे के कार्य पर नजर रखते है, एक दूसरे को प्रोत्साहित करते है और कभी – कभी एक दूसरे की सहायता करने के लिए त्याग भी करते है।

जुड़वा बहनें ट्रेसी और लानी बार्नेस, अमेरिकी बाथलॉन एथलीट, जिन्होंने एक दूसरे के साथ एक मजबूत दोस्ती निभाई, उन्होंने तब सुर्खियां बटोरीं जब दोनों ने सोची के लिए ओलंपिक टीम बनाने की कोशिश की। लानी बीमारी के कारण सभी आवश्यक चयन दौड़ में भाग नहीं ले सकी थी, लेकिन उसने क्वालिफाइंग दौड़ से पहले पूरे सत्र में शानदार प्रदर्शन दिया। ट्रेसी ने ओलंपिक टीम में एक स्थान अर्जित करने के बाद, उसने लानी को अपना स्थान देने के लिए चुना क्योंकि ट्रेसी ने सोचा कि लानी ने पिछले वर्ष की तुलना में अपने मजबूत प्रदर्शन को देखते हुए उसे अधिक योग्य बनाया है।

उन्हें सम्मान देना सिखायें – अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के तीन आधिकारिक

टिप्पणी

मूलभूत मूल्यों में से अंतिम सम्मान है। ओलंपियन एक दूसरे के मूल्य का सम्मान करते हैं और टीम के खिलाड़ियों के रूप में भी, जो दूसरों के लिए बहुमूल्य योगदान देते हैं।

उदाहरण के लिए, अमेरिकी पुरुष हॉकी टीम के लिए खिलाड़ियों का चयन करते हुए, टीम के महाप्रबंधक डेविड पोइल ने कुछ विवादास्पद निर्णय लिए और कुछ सर्वश्रेष्ठ अमेरिकी हॉकी खिलाड़ियों को छोड़ दिया। लेकिन पोइल ने कहा कि एक ऑल–स्टार टीम चुनने के बजाय, वह ऐसे खिलाड़ियों की टीम चुनने की कोशिश कर रहा था, जिनकी खासियतें एक–दूसरे की पूरक हों, इसलिए वे सम्मान के साथ काम कर सकते हैं और स्वर्ण पदक जीतने की अपनी संभावनाओं को अधिकतम कर सकते हैं।

2.4 योग द्वारा सामाजिक और व्यक्तिगत नैतिक मूल्यों का अनुकूलन

योग का अभ्यास करने के माध्यम से इस दुनिया में नैतिक रूप से जीने में आसानी मिल सकती है। योग के अभ्यास के माध्यम से हम अपने स्वयं की उच्चतम क्षमता को प्राप्त कर सकते हैं, जो हमें खुशी और दर्द की मानवीय स्थिति को पार करने की क्षमता देता है। योग स्वयं को शुद्ध करने के बारे में है, जिसमें शरीर, मन, आत्मा, भाषण, कार्य और हमारे विचार शामिल हैं। योग नैतिकता की खेती के अलावा कुछ भी नहीं है, क्योंकि नैतिकता मॉडल और मूल्यों के एक सेट की नींव है जो प्रत्येक व्यक्ति के चरित्र को कार्यों के माध्यम से अपने अस्तित्व में लेती है।

पाठगत प्रश्न 2.3

निम्नलिखित वाक्यों को सार्थक बनाने के लिए रिक्त स्थान को पूरा करें –

क) ओलंपिज्म के तीन मूलभूत मूल्य हैं जो ओलंपिक और युवा ओलंपिक खेलों में ध्यान केंद्रित कर रहे हैं .....

ख) ..... माध्यम से रेफरी और अधिकारी नियमों को लागू करते हैं।

ग) सभी लोगों में महिलाएं, बच्चे, दिव्यांग लोग आदि शामिल हैं, और..... है।

घ) खेल ..... संतुलन का एक माध्यम है।

टिप्पणी

आपने क्या सीखा

- नैतिक शिक्षा बच्चों के लिए नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देती है।
- खेल– शिक्षा बच्चों में नैतिक मूल्यों के विकास में आवश्यक भूमिका निभाती हैं।
- "खेल–भावना" वह व्यवहार और प्रवृत्ति है जो खेल के नियमों और खिलाड़ियों के लिए सम्मान प्रकट करती है।
- नैतिकता का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक मानव की मन से देखभाल करना और उसकी भलाई के लिए कार्य करने की कोशिश है।
- नैतिकता, मूल्यों की एक इकाई है कि हमें कुछ भी हो हमे सही तरह से जीवन जीना है।
- मित्रता : दो व्यक्ति या देशों के बीच एक दूसरे के सहयोग और समर्थन के बीच एक रिश्ता है।
- योग में शरीर, मन भावना, भाषण, कार्यों और हमारे विचार को शुद्ध करना शामिल है।

पाठांत प्रश्न

1. बच्चों में नैतिक मूल्यों के निर्माण में शारीरिक शिक्षाविदों को सच्चा हितैषी क्यों कहा जाता है?
2. खेल नैतिकता की संहिता को बनाए रखने में शिक्षकों की भूमिका की व्याख्या कीजिए?
3. नैतिकता के मूल्यों को आत्मसात् करने के प्रति शिक्षक की जिम्मेदारियों को सूचीबद्ध कीजिए
4. खेल प्रशिक्षण को प्रभावित करने वाले दो कारकों पर प्रकाश डालिए।

टिप्पणी

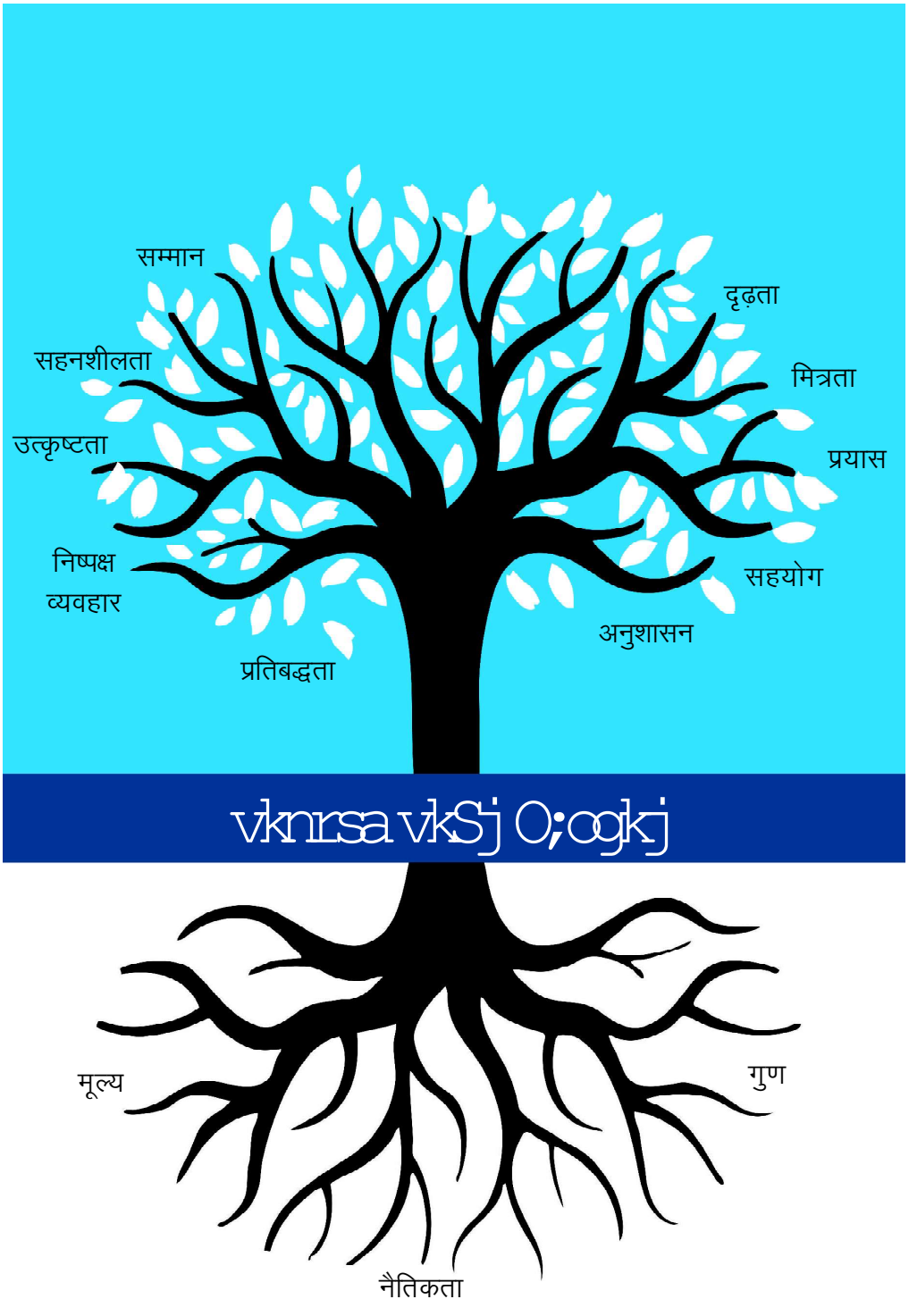
सम्मान
सहनशीलता
उत्कृष्टता
निष्पक्ष
व्यवहार
प्रतिबद्धता
दृढ़ता
मित्रता
प्रयास
सहयोग
अनुशासन
vknrsa vkSj 0;ogkj
मूल्य
गुण
नैतिकता

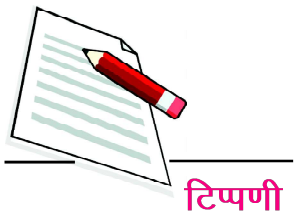

टिप्पणी

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

2.1

क) खिलाड़ी भाव

ख) नैतिकता, सम्मान, निष्पक्षता और मैत्री

ग) हाथ मिलाना

2.2

क) नैतिकता, हमारे दिल के करीब होती है और हमें अपनी ओर से सबसे अच्छा कार्य करने की कोशिश करनी चाहिए ।

ख) नैतिकता कार्य में अच्छाई और बुराई या अच्छा या बुरा की व्याख्या करती हैं

2.3

क) उत्कृष्टता, सम्मान और मैत्री

ख) जुर्माना और दंड

ग) मानव अधिकारों और समुदायिक जिम्मेदारियाँ

घ) शरीर, इच्छा और मन